DISCUSSION ON GROWING MENACE OF TERRORISM AND OTHER SUBVERSIVE ACTIVITIES ENCOURAGED BY OUTSIDE POWERS- *contd.*

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA) : Now, we are taking up the discussion on a matter of urgent public importance, discussion on terrorism. Shri Sibtey Razi.

SHRI RAJ MOHAN GANDHI (Uttar Pradesh) Sir, I have a point of order.

Mr. Vice-Chairman, Sir, when the hon. Member, Mrs. Sushma Swaraj made the point that the subject under discussion really is only outisde assistance to terrorism, the hon. Minister of State for Home Affairs said that the Government's understanding or intention was that the discussion should be on the outside assistance to terrorism-Sir, I would like your ruling whether he subject is what the Government says its intention or unde rstanding is or what the List of Business says because the List of Business says that the subject is growing menance of terrorism and other subversive activities encouraged by outside power. So, the encouragement is not the sole subject though it is a part of the subject. I feel, otherwise after the Minister's statement, we may get the impression that any other reference to anything else is outside the subject. I would like a ruling by the Chair.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SATKTA) : No ruling,. I don't think it is needed. But we sha"ll goto by the subject is listed in he business. The Members are privileged to speak on the subject. Sometimes they also exceed their limit. That is always there. So, we shall go by the subject that is listed.

Shri Sibtey Razi.

श्री सैयद सिब्ते रजी (उत्तर प्रदेश): माननीय, 15 अगस्त, सन् 1947 की आजादी के बाद हमारे देश के नेताओं ने और हमारी सरकार ने इस बात का फैसला किया कि हम अपने देश को लोकतंत्र और गणतंत्र के रास्ते पर लेकर चलेंगे और इस मुल्क में जात-पांत, नस्ल और मजहब के नाम पर कोई भी इमतयाज और कोई भी भिन्नता एक दूसरे में नहीं की जायेगी, यानी हमारे देश की राजनीति का रास्ता धर्मनिरपेक्षता का रास्ता होगा और हमने वही अपने शाश्वत मूल्य और अपने वही उभरे हुये सिद्धांत जिसकी बदौलत हमने सैकड़ों-सैकड़ों साल तक मानवीय मूल्यों की सुरक्षा के लिये काम किया था, उस पर अपनी आजादी के बाद अपने मुल्क को हम लेकर चले। इस बात में कोई शक नहीं कि आज हमारे मुल्क में आतंकवाद, अलगाववाद या हिंसा का जो वातावरण है उसको बढ़ावा देने में और उसको मदद देने में इस उपमहाद्वीप में, इस सब-कंटीनेंट में हिन्दुस्तान बर्रे आज़म में अगर कोई मुल्क सबसे आगे फहरिस्त में नजर आता है तो मुझे बहुत अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि हमारा पड़ौसी मुल्क पाकिस्तान है। जिसने अपनी सरहदों के अंदर, अपनी आर्मी और मिलिट्री के जरिए हमारे देश के, चाहे वे पंजाब के नौजवान हों, चाहे वे कश्मीर के नौजवान हों, उन्हें बहला-फुसलाकर अपनी सरहदों में किसी तरह से घुसपैठ कराकर अपने ट्रेनिंग कैंपों में उनको एक ओर तो मानवीय मूल्यों से इंकार करने की ट्रेनिंग दी और दूसरी ओर उन्हें हथियार चलाने की और बर्बरता की, दहशत फैलाने की, आतंक फैलाने की ट्रेनिंग देकर दोबारा हमारी सरहदों में उन्हें वापस भेजने का कुचक्र बहुत वर्षों से चलाया हुआ है और इस बात के बहुत सारे सबूत मिले हैं प्रत्यक्ष रूप से और अप्रत्यक्ष रूप से कि पाकिस्तान का नजरिया हमारे मुल्क के जो लोकतांत्रिक उसूल हैं, जो हमारा धर्म-निरपेक्षता का सिद्धांत है और जो कुछ यहां के करोड़ों-करोड़ लोगों ने अपने परिश्रम से इस मुल्क को विकास के रास्ते पर आगे ले जाकर हासिल किया है, इस देश के लोगों में एक निराशा पैदा करके, दहशत पैदा करके, आतंक पैदा करके एक अस्थायी स्थिति इस देश में पैदा कर दी जाए ताकि लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत जो हैं, वे पीछे पड़ जाएं और इस देश पर चारों तरफ एनार्की फैल जाए।

मैं इस बात से सहमत हूं कि सरकार के पास पाकिस्तान द्वारा जो लो इंटेंसिटी कन्फ्लक्ट चलाया जा रहा है, उसका जवाब देने के लिए डिप्लोमेटिक स्तर पर बात करने और सारी दुनिया के अंदर और खास तौर पर पाकिस्तान के अंदर जो हमारे डिप्लोमेटिक चैनल्स

[श्री सैयद सिब्ते रजी]

हैं, उन पर अपनी बात को रखने के अलावा कोई और दूसरा रास्ता या विकल्प नहीं है। मैं बधाई देना चाहूंगा भारत सरकार के प्रधानमंत्री जी को और अन्य मंत्रियों को कि उन्होंने इस डिप्लोमेटिक स्तर पर काफी कामयाबी हासिल की है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अगर हम देखें तो ब्रिटेन, हालैंड, वैस्ट जर्मनी और यू.एस.ए. में इस आतंकवादी मूवमेंट को सपोर्ट मिली, बेस मिला। लेकिन ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने यह कहा कि हम अपने देश से इस प्रकार कि जो गतिविधियां हो रही हैं भारत के खिलाफ, उन पर हम रोक लगाने की पूरी कोशिश करेंगे और आज अमरीका आर्मी पाकिस्तान को ऐड देने से और आर्मी के सोफैस्टिकेटेड वैपंस देने से इंकार करता है और आज वह इस बात को भी मानने को तैयार है कि वह कई सालों से भारत के खिलाफ़ सुनियोजित तरीके से आतंकवाद के सिलसिले में पाकिस्तान को सपोर्ट देता रहा है। इन सब बातों के बावजूद हमारी तरफ से हमारे प्रधानमंत्री ने हरारे में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के साथ इस बात को उठाया लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि अभी भी पाकिस्तान की तरफ से उन गतिविधियों को रोके जाने के सिलसिले में कोई इफेक्टिव कदम नहीं उठाया गया है। मैं गृह मंत्री जी को मुबारकबाद देना चाहूंगा कि उन्होंने लोकतंत्र के बुनियादी सिद्धांत यानी चुनाव के लिए पंजाब में कमर कसकर पूरे तौर से इस बात का इरादा कर लिया है कि पाकिस्तान चाहे जितनी कोशिश करे टेररिस्ट्स के जरिए पंजाब में इलैक्शन न कराने के सिलसिले में माहौल पैदा किया जाए, उसका वे डटकर मुकाबला करेंगे। आर्मी वहां डिप्लॉय हुई है वहां फौज लगाई गई है। उसके खतरनाक नतीजे निकले हैं। लेकिन इस बात को ध्यान में रखना होगा कि वहां पर फौज की चौकसी बढ़ने के कारण टैरोरिस्ट वहां से निकलकर उत्तर प्रदेश के तराई क्षेत्र में कई जगह फैल गए हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने इस सिलसिले में इमदाद मांगी है। केन्द्रीय सरकार ने उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों को डिस्टर्ब्ड एरिया घोषित किए जाने के बारे में कहा है। निश्चित रूप से, इस सिलसिले में कोई कदम उठाना होगा और आतंकवादियों के जो कदम दूसरे प्रदेशों में बढ़ रहे हैं वह नहीं पहुंच पायेंगे। मैं कहना चाहूंगा कि पाकिस्तान ने हमारे इंटर्नल मामलों में दखल देने का पूरे तरीके से, एक मुनासिब-बंद तरीके से रास्ता बनाया हुआ है। इसके बावजूद कि शिमला ऐग्रीमेंट के अंदर इस बात को कहा जा चुका है कि हम एक दूसरे के अंदरूनी मामलों में दखल नहीं देंगे, पाकिस्तान ने अयोध्या के इश्यू के ऊपर भारत सरकार को कहा है कि किस तरह से इस पूरे मामले की देखे। मैं कहना चाहूंगा कि यह हमारे देश का अपना अंदरूनी मामला है चाहे व अयोध्या का मामला हो या काश्मीर का। भारत के लोग अपने मामलों को आपस में बैठकर तय करेंगे। भारत सरकार ने जहां तक बाबरी मसजिद का मामला है, उसको बचाने के सिलसिले में, वह वहां से हटने न पाए उस सिलसिले में जो कोशिशें की हैं वह सर्वज्ञात हैं। पाकिस्तान का कोई मॉरेल राइट नहीं है उसके बारे में कहने का कि वह हिन्दुस्तान के हिन्दू और मुसलमानों के बीच में खाई बढ़ाने की कोशिश करे। पाकिस्तान को स्वयं सोचना चाहिए कि वह खुद धर्म के आधार पर चलने वाला देश है। हमने धर्मनिरपेक्षता का रास्ता अपनाया और हमारा यह नेशनल कमिटमेंट है कि इस देश के माइनॉरिटीज़ की, अल्पसंख्यकों की हम सुरक्षा करेंगे चाहे जो कुछ भी हो। जैसे भी हालात होंगे इस देश में हम एक साथ जिन्दा रहेंगे और देश की स्वतंत्रता, देश की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण रखेंगे और उसको बनाए रखने के लिए, उसको मजबूत करने की जिम्मेदारी हिन्दुस्तान की तमाम राजनीतिक पार्टियों की है और हमने यह करके दिखाया है।

महोदय, पिछले महीने जब बाबरी मसजिद को खतरा पैदा हुआ तो हमारी सरकार ने, केन्द्र सरकार ने खुद इस बात की ओर ध्यान दिया कि किसी तरह से भी बाबरी मसजिद को कोई नुकसान न पहुंच पाए, तोड़ा न जाए और कुछ भी हालात हों पाकिस्तान को

यह अख्तियार किसी तरह से नहीं है कि वह हमारे देश के अंदर के इदारों के बारे में कोई एलान करे या अपना कंसर्न जाहिर करे ।

मान्यवर, हम हिंदू और मुसलमान हम भारत के निवासी एक साथ मिलकर अपने मसायल को तय करेंगे और हम यह बताना चाहते हैं पाकिस्तान को कि भारत में इनफिल्ट्रेशन की यह जो आपकी नापाक साजिश है इसको वह बन्द करे । हम सब मिलकर वक्त पड़े और जरूरत हुई तो इस बात का मुकाबला करेंगे कि आतंकवाद हमारे देश से खत्म हो और अभी जो गुमराह नौजवान हैं, जो रास्ते से भटक गए हैं वे रास्ते पर आयें और अपने संविधान के अंदर, देश के आईन के अंदर जो भी हालात हैं उसको सुधारने के लिए उन पर बातचीत करके कोई रास्ता निकालने के लिए हमें कटिबद्ध होना चाहिए ।

इन शब्दों के साथ मैं आपका शुक्रिया अदा करता हूं कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया ।

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA) : Members will have to be very brief. There is no time left for Congress party Members.

श्री अनन्त राम जायसाल (उत्तर प्रदेश) : माननीय उपसभाध्यक्ष जी, उग्रवाद के बीज 1980 के आसपास से या उसके पहले से डाले जाने शुरू हो गए थे और 1980 के दशक के मध्य तक उसका जोर और उसके सबूत दिखाई देने लगे । हमने कश्मीर और पंजाब की घटनाओं के बारे में एक प्रश्न पूछा था तारांकित प्रश्न संख्या 1223, जिसका जवाब मुझे मिला था था, 4 दिसंबर को । इससे अंदाजा हो जाएगा कि किस तरह से उग्रवाद की घटनायें तेजी से बढ रही हैं ।

सरकार का जो जवाब मिला था मैं उसे पढ़ देता हूं :

"राज्य सरकार द्वारा भेजी गई सूचना के अनुसार पंजाब में 21-6-91 से 7-11-91 तक आतंकवादी गतिविधियों के कारण 2367 हिंसक घटनायें हुई । इनमें 891 हतायें/गोली चलाने तथा 74 विस्फोट की घटनायें शामिल हैं । आतंकवादियों द्वारा 1054 व्यक्ति मारे गए जिसमें 207 पुलिस कार्मिक तथा पुलिस कर्मियों के रिश्तेदार/परिवार के 89 सदस्य शामिल हैं । 1-7-91 से 15-11-91 तक जम्मू और कश्मीर में आतंकवादियों द्वारा 226 विस्फोट किए गए, 237 आगजनी की घटनायें की गई और निर्दिष्ट गोली चलाने की 306 घटनायें सूचित की गई । इस अवधि के दौरान आतंकवादी हिंसा में 152 नागरिक तथा 61 सुरक्षा बल कार्मिक मारे गए ।

यह सरकार क्या कर रही है इससे निपटने के लिए वह भी इसी सावल के जवाब में आया है :

"पंजाब और जम्मू और कश्मीर में कानून और व्यवस्था की स्थिति के लिए आतंकवादियों के विरुद्ध और सीमा पार से हो रही घुसपैठ को रोकने के लिए सख्त उपाय करने, अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद की पाकिस्तान द्वारा दिए जा समर्थन के विरुद्ध मजबूत जनमत तैयार करने, लोगों की वास्तविक कठिनाइयों पर ध्यान देने और उग्रवादी हिंसा से निपटने में लोगों का सहयोग प्राप्त करने जैसे उपाय करने का प्रस्ताव है । आतंकवादी/उग्रवादी गतिविधियों को रोकने के लिए किए गए उपायों में सुरक्षा बलों द्वारा गश्त तेज करना विशेष टुकड़ियों का गठन करना, संवेदनशील क्षेत्रों में छानबीन का काम करना उग्रवादियों के छुपने के स्थानों, उनके आश्रय दाताओं तथा सहयोगियों पर सहन छापे मारना, विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय बनाना और आसूचनातंत्र को सक्रिय करना शामिल है और उनमें आगे सुधार करने के लिए इनकी नियमित समीक्षा की जाती है ।"

सरकार की नीति इसमें आयी है आतंकवाद से मुकाबला करने के लिए । मैं आपका ध्यान इस बात की ओर खींचना चाहूंगा कि आतंकवाद और उग्रवाद का एक लम्बा सिलसिला काफी लम्बे समय से चल रहा है । इसी के साथ-साथ आतंकवादी संगठन जो अपने देश के हैं—चाहे असम के हों, पंजाब के हों, कश्मीर के हों, नक्सलवादी हों और या तमिलनाडू के हों—इनमें आपस में संबंध है । एक दूसरे को

[श्री अनन्त राम जायसवाल]

ये लोग सहयोग देते हैं । इसके लिए भी सरकार कहती है कि उसके पास सबूत हैं । कभी-कभी अखबारों में भी आया करता है । इसी के साथ मैं यह कहना चाहता हूं कि इन संगठनों को विदेशी सहायता मिल रही है । किसी को पाकिस्तान से मिल रही है तो किसी को कहीं से । किसी को बर्मा के अंदर ट्रेनिंग दी रही है और किसी को लासा में विदेशी हथियार भी आ रहे हैं खासकर चाइना में बनीए के 47 बंदूकें । साथ ही ट्रेनिंग भी इनको वहां मिल रही है । इसी के साथ इन इलाकों में अपने देश से टूट जाने, अलाहिदा हो जाने की आवाजें भी जोरों से उठ रही हैं । इन सब के बावजूद सबसे बड़े दुख और चिंता की बात यह है कि हिन्दुस्तान के आम आदमी पर इन घटनाओं का कोई असर नहीं हो रहा है । ऐसा असर जो उनको झकझोरे, उनमें तड़पन पैदा करे ताकि वे लोग सोचना-विचारना शुरू करें । आज आम आदमी की स्थिति यह हो गई है वह यह सोचने लगा है कि जो हो रहा है वह होने दिया जाए । यह जो अपने देश में हालत है यह बहुत खतनाक हालत है । जितने बाहर से लोगों को हथियार मिल रहे हैं उससे ज्यादा यहां की खतरनाक हालत है । जब आजादी की लड़ाई हुई थी उस वक्त की आपको याद दिलाना चाहता हूं । जब हम आजादी की लड़ाई लड रहे थे तो उस समय भाषा का, क्षेत्र का, जो शाखें हमारे देश में हैं उनका, खानपान का, कोई लिहाज़ नहीं था । मिलकर देश के सारे लोग आजादी की लड़ाई में हिस्सा ले रहे थे । कोई किसी से कम नहीं था । सब को यह उम्मीद थी कि जब आजादी आयेगी तो उसमें हमारा भी हिस्सा होगा हमारी भी इच्छायें और आकांक्षायें पूरी होंगी ।

चाहे आसाम रहा हो, पंजाब रहा हो, चाहे मद्रास रहा हो या उत्तर प्रदेश और बिहार वगैरह रहे हो, इन सब की आशा और आकांक्षा थी कि हमको आजादी का फल मिलेगा, उसमें बराबर की हिस्सेदारी मिलेगी । पर ऐसा लगता है कि सचमुच में ऐसी आजादी हिन्दुस्तान में आई नहीं । आज सारी जगहों पर सर्वव्यापी और देशव्यापी असंतोष क्यों है ? इस सिलसिले में विचार होना चाहिए । जब साल्वे साहब कांग्रेस की तरफ से बोल रहे थे तो उनके कहने का मतलब यह था कि इस समस्या से निपटने के लिए उग्रवादियों से ग्रस्त क्षेत्र फौज के सुपुर्द कर देना चाहिए और ऐसा सख्त कानून बनाना चाहिए कि जितने भी आतंकवादियों को, उनको सहारा और मदद देने वालों को फांसी मिले, ऐसा कानून बने, यह वे चाहते हैं । जब वे बोल रहे थे तो मुझे ऐसा लगा कि कोई बी०जे०पी० का आदमी बोल रहा है । बी०जे०पी० की भाषा यही है जो उस दिन साल्वे साहब बोल रहे थे, यह मुझे शक हुआ । दोनों एक ही भाषा में सोच रहे थे । ऐसा लगता है कि पूरी बातको बगैर समझे वे बोल रहे थे । वे ऐसा बोल रहे थे जैसे कोई ब्यूरोक्रेटिक जवाब देता है । मेरा निवेदन है कि असंतोष के कारण है, जिससे आतंकवादियों को जनता में सहारा मिलता है, उनको दूर करने की जरूरत है । जैसे पंजाब का ही मामला है । आदतंकवादी कितने होंगे ? हमारा ख्याल है कि सौ में से एक भी नहीं होगा । क्या कारण है कि इतने दिनों से हम उनको निर्मूल नहीं कर पा रहे हैं ? उसका कारण यह है कि वहां की जनता का सहयोग इन लोगों को मिल रहा है । वही हाल आसाम का है । वही हाल तमिलनाडू का है और तमिलनाडू में तो यह कहा जाता है कि पिछली सरकार भी इसमें शामिल थी । दूसरी जगहों पर भी यही हो रहा है, जनता का सहयोग उनको मिल रहा है । जो सहयोग सरकार को मिलना चाहिए और जिस सहयोग को प्राप्त करने की बात की जाती है, वह आप कैसे प्राप्त करेंगे ? उस पर विचार होना चाहिए और गहराई से विचार होना चाहिए । पहली चीज जो हमारे संविधान में केंद्र और प्रदेशों के जिस तरह से संबंध रखे गए हैं, इतने दिनों में हमने देखा है कि अब वे काम नहीं कर पा रहे हैं । राज्य

यह समझते हैं कि जो कुछ उनको मिलना चाहिए वह मिल नहीं पा रहा है । खास-तौर पर राज्यों की आर्थिक दुर्दशा है । केंद्र नए नोट छाप सकता है, बाहर से कर्ज ले सकता है । लेकिन यह सुविधा राज्यों को उपलब्ध नहीं है । ऐसी स्थिति में वे अपने छोटे-छोटे जन-कल्याण के काम भी नहीं कर पाते हैं । हर चीज के लिए उन्हें केन्द्र की तरफ देखना पड़ता है । इस हालत में सुधार होना चाहिए । यह भी तनाव का एक बहुत बड़ा कारण है । इस पर विचार करके इसको दूर करने की कोशिश होनी चाहिए । यह खुशी की बात है कि साल्वे जी ने सरसरी तौर पर अपने भाषण में इसका जिक्र किया है । मैं समझता था कि वे इसकी तफसील में जाएंगे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया । उसी तरह से शक्तियों का बंटवारा भी फिर से किया जाना चाहिए और यह संविधान में संशोधन करके ही हो सकता है । इसको प्राथमिकता मिलनी चाहिए । राज्यों के पास पर्याप्त साधन नहीं हैं । इस संबंध में संविधान में संशोधन करने पर विचार किया जाना चाहिए । तभी यह तनाव कम हो सकता है ।

दूसरे कुछ मुद्दे हैं, जैसे बेकारी का सवाल है । वैसे तो पढ़े-लिखे लोग इस देश में बहुत कम हैं । पचास प्रतिशत हमारे लोग निरक्षर हैं । जो पढ़-लिख गये हैं उनको काम नहीं मिलता है । यह भी एक बड़ा कारण है जिससे उग्रवाद को सहारा मिलता है । इसके अलावा भूमि-सुधार के जो कानून हैं, जहां तक नक्सलवाद का सवाल है, चाहे बंगाल हो, आन्ध्र प्रदेश हो, महाराष्ट्र हो या उड़ीसा हो, देखने में यही आता है कि वहां पर भूमि-सुधार के कानूनों को ठीक से लागू नहीं किया गया है । नतीजा यह है कि जमीन की जो भूख है वह नक्सलवाद को सहारा दे रही है । भूमि सुधार के कानूनों का ठीक से पालन न करने से असंतोष बढ़ रहा है । इसलिए इसको दूर करने की तरफ ध्यान दिया जाना चाहिए और लोगों को काम देने की जरूरत है । आज जरूरत इस बात की है कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को काम मिले । सरकार ने जो रास्ता अपनाया है, जो आर्थिक नीति अपनाई है, उसमें कोई भी नादान से नादान आदमी भी कह सकता है कि बेकारी की जो बीमारी है, हर घर की जो समस्या है, वह इससे दूर होने वाली नहीं है । उसके लिए गांधी जी ने जो रास्ता सुझाया था उस रास्ते को छोड़ कर आपने गांधी का नुकसान नहीं किया है, आपने देश का नुकसान किया है । नतीजा यह है कि आज उग्रवाद को बेकारी से सहारा मिल रहा है ।

मान लीजिए असम, मिजोरम, मणीपुर, नागालैंड का कोई पढ़ा लिखा लड़का बेकार है और वहां पर उग्रवादी संगठन हैं तो वे उसे रायफल देकर कह कि तुम हमारे यहां आफिसर हो जाओ तो वह हो जायेगा और उसके बाद वह उसका पेशा हो जाता है तथा वह उग्रवाद में शामिल हो जाता है । यह स्थिति आज अपने देश की है । अनइम्पलाईमेंट इस देश की एक ऐसी प्राबलम है जो उग्रवाद को जन्म दे रही है । जैसा कि मैंने पहले भी आपसे कहा इसके अलावा और भी स्थानीय सवाल है, अलग अलग प्रदेशों के । हर जगह एक ही सवाल हो ऐसा नहीं है । जैसा पंजाब में बहुत दिनों से पानी का झगड़ा चल रहा है कि पानी का बंटवारा ठीक से हो, चंडीगढ़ पंजाब को दे दिया जाय और पंजाबी भाषी जो इलाके हैं उन सब को पंजाब में शामिल किया जाय । इस तरह के झगड़े वहां पर हैं ।

जहां तक असम का सवाल है, मान्यवर, आप वहीं से आते हैं आपको अच्छी तरह से मालूम होगा कि असम में आज से नहीं बल्कि बहुत पहले से आतंकवाद है । जब हमें आजादी मिली थी उससे पहले वहां पर बंगाली भाषा और बंगालियों की घुसपैठ और उनका वर्चस्व कुछ ऐसा था जिसके कारण आजादी के पहले वहां पर नारा उठा कि असम असमियों के लिये है । लेकिन उस वक्त सुभाष चन्द्र बोस, डा० राजेन्द्र प्रसाद और गांधी जी जैसे लोग थे । गांधी जी ने असम वालों को समझाया कि अगर असम असमियों के लिये है तो फिर पूरा देश किसके लिये है । पूरा देश उनके

[श्री अनन्त राम जायसवाल]

लिये भी है और इसमें असम के असमी भी शामिल हैं। उस वक्त बड़े बड़े लोग थे। लेकिन आज यह आवाज चाहे महाराष्ट्र हो, चाहे असम हो, चाहे पंजाब हो, चाहे उड़ीसा है, यह आवाज बहुत जगहों से उठनी शुरू हो गई है। थोड़े थोड़ दिनों बाद वहां पर फूट पड़ती है और लोग इन नारों में आ जाते हैं। इनकारणों को अगर दूर नहीं किया जाता है तो उग्रवाद का मुकाबला नहीं किया जा सकता यह मेरा निवेदन है। अलग अलग इलाकों की जो समस्यायें हैं उनको दूर किया जाना चाहिये। रही बाहर वालों की बात कि बाहर की मदद से जो उनको ट्रेनिंग मिल रही है उसको दूर कैसे करेंगे, इस पर उन्होंने कहा कि हम जनमत बनायेंगे। मैं पूछना चाहता हूं कि आप अभी तक क्या कर रहे थे? आपने अभी तक जो जनमत बनाया है, उसको हम देख रहे हैं। महोदय, मेरा यह मानना है कि चाहे पाकिस्तान हो या कोई और विदेशी ताकत, जो वे उग्रवाद को समर्थन देने में सफल हो रहे हैं उसका एक कारण इस देश की हवा है जिसकी वजह से वे समर्थन दे रहे हैं। दूसरा यह है कि अगर ये समर्थन दे रहे हैं तो यह मारे अंदरूनी मामलात में सीधे सीधे मदाखलत है। यह खाली हमारे अंदरूनी मामलात में मदाखलत ही नहीं, बल्कि इससे हमारे देश का अस्तित्व भी खतरे में पड़ गया है, इससे देश कमजोर होता चला जा रहा है। अभी असम के बारे में मैं एक रिपोर्ट देख रहा था। उसमें है कि असम की स्थिति को संभालने के लिये, जो वहां पर अल्फा उग्रवादी संगठन है, उससे निपटने के लिये 40–50 हजार तो सेना के आदमी लगे हुए हैं और एक लाख के आसपास अर्द्ध-सैनिक बल के लोग लगे हुए हैं। अगर आप सब राज्यों में तैनात इन लोगों को जोड़ें तो मेरा ख्याल है कि एक चौथाई आपकी सेना इसी में लगी हुई है, उग्रवाद का मुकाबला करने के लिये लगी हुई है और इतनी ही तादाद में अर्द्धसैनिक बल के लोग लगे हुए हैं और वहां की पुलिस वगैरह जो है वह तो है ही। हमारे जो साधन हैं, वे इस पर आ रहे हैं। ...(*समय की घंटी*)...

मैं सिर्फ 2–3 मिनट और लूंगा। वहां पर कोई काम ठीक ठाक से नहीं हो रहा है, माहोल बिल्कुल बिगड़ा हुआ है। न खेती और न कारखानों के लिये कुछ हो रहा है, सब कुछ इसमें जा रहा है। इसके कारण धीरे-धीरे हमारा देश कमजोर हो रहा है। पाकिस्तान की इसमें दिलचस्पी है कि हम कमजोर हों इसकी वह कोशिश करेगा। लेकिन उनसे यह कोई नई शिकायत नहीं है, वह तो हमेशा से यह कर रहा है। शिकायत तो हमको अपनी सरकार से है कि कैसी बेचारी यह सरकार है जो कहती है कि हम इस मामले में कुछ कर ही नहीं सकते हैं। खाली राजनयिक स्तर पर हम बातचीत करेंगे।

उपसभाध्यक्ष (डा० नगेन सैकिया): कन्क्लूड नाउ।

श्री अनन्त राम जायसवाल: हमारे देश में पाकिस्तान या कोई दूसरी शक्ति मदाखलत करे जिससे हमारा अस्तित्व खतरे में पड़ जाय इसका क्या कारण है? अगर भारत सरकार मजबूत होती, इस देश की सरकार में शक्ति और बल होता तो कोई विदेशी ताकत हमारी तरफ देखने की हिम्मत नहीं कर सकती थी और अगर देखने की गलती करती तो फिर लाहोर और दूसरे इलाकों पर चढ़ाई करके उनको सबक सिखाती।

आखिरी चीज मैं यह कहना चाहता हूं कि इस वक्त पाकिस्तान...

उपसभाध्यक्ष (डा. नगेन सैकिया): प्लीज कन्क्लूड।

श्री अनन्त राम जायसवाल: एक मिनट, सिर्फ एक मिनट।

इस वक्त पाकिस्तान का मुकाबला करने के लिये देश को एकता की जरूरत है। चाहे यहां के हिन्दू हों या मुसलमान हों सब एक हो कर ही पाकिस्तान से

मुकाबला कर सकते हैं। अगर आप अलग अलग फ्रंट खोलेंगे तो यह मुकाबला आप नहीं कर सकते हैं। इस स्थिति को बी. जे०पी० ने पहचाना। चालाकी से इन्होंने एकता यात्रा शुरू की है। मैं यह कहना चाहता हूं कि आप बाज आइये अगर आप देश को बचाना चाहते हैं। कांग्रेसियों से भी मैं कहता हूं कि इनकी चाल में आप न आवें। दोनों अपने आप को सुधारें। इस एकता यात्रा से देश में एकता आने वाली नहीं है। कौन लोग इस एकता यात्रा को चला रहे हैं, आप इस पर गौर कीजिये। (समय की घंटी) बी०जे०पी० की मुस्लिम दुश्मनी सब को मालूम है और इसके चलते आप सारे लोगों में विश्वास पैदा नहीं कर सकते हैं (व्यवधान) इससे आप साम्प्रदायिकता ही बढ़ायेंगे। मैं चाहता हूं कि आप इससे बाज आवें। मैं कांग्रेस को भी कहता हूं और सब लोगों से कहता हूं। बहुत हो गया है इस देश को बिगाड़ने के लिए। पूरे देश के लोगों को एकजुट हो कर खड़ा होना चाहिये तब हम आतंकवाद का मुकाबला कर सकते हैं। धन्यवाद।

THE VICE-CHAIRMAN : Dr. NAGEN SAIKIA) : Mr. Narayanasamy. I will request the Members *to* abide by the time allotted to them.

SHRI V. NARAYANASAMY (Pondicherry) : What is the time allotted to me?

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA) : Actually you don't have any time. The time allotted to the Congress party has already been exhausted. *So* you conclude within five minutes.

SHRI DAVID LEDGER (Assam) You can speak on borrowed time.

SHRI V- NARAYANASAMY : Mr. Vice-Chairman, I thank you for giving me this opportunity to speak on the growing menance of terrorism and other subversive activities encouraged by outside powers against our country.

We are not only facing terrorism en our border States but also in the Southern part of the country. Pakistan is the the main country which is aiding and betting terrorists against our country.

It is a well-known fact and several Members also spoke here elaborately how Pakistan has abetted terrorism in our country to disturb our national unity and integrity. Just two days ago the hon. Home Minister, Shri Chavanji while visiting Punjab has said that there is clear evidence of Pakistan's involvement in internal affairs of our country. He also advised Pakistan's administration not to interference in our internal affairs. Pakistan has adopted three-pronged strategy. One is they are waging a proxy war against India in the border areas. Second resorting to intermittent firing. Third, trying to enter into our territory. Under the camouflage of fighting against our forces, they have imparted training to the millitants in various camps to sneak into our territory. They have selected the targets which have been fixed by the Pakistan administration. They have provided weapons and money to the militants fer creating trouble in our territory. Wo seen sporadic incidents of firing, terrorism, looting, arson and killing of irnccent people in the border States.

The important aspect is that Pakistan is tellirg in the international fora that the people living in Jammu and Kashmir have been victimised, terrorised and there is no security for them. They have raised the issue at the Organisation of the Islamic countries conference. They have twisted the matter at the meeting of the European Economic Community. They were suitably warned by the EEC. This issue was rightly taken up in the United Nations by our representative. We have made our stand clear that Pakistan is interfering in our internal affairs. It is known to everybody that there is turmoil in Pakistan at every stage. And because of the compulsion, because every Government there in Pakistan wants to survive, they have taken the stand of Kashmir for the purpose of brushing aside the local issues involving them. I feel very sorry that in Kr.shmir, not the question of militants, Pckistrai -trained militants, who have been given asylum by the local people there and who have been give protection there, has turned into one of locally-trained militants. Even children are not spared. Even school-going children nowadays are playing with guns there. They have forgotten toys. The situation has gone to such an extent that children are sleeping with guns in their beds. Therefore, the, situation has become worse in Jammu and Kashmir. And the country that has to be squarely blamed for this is Pakistan, as spoken by all the Members in this House.

Sir, I will dwell only upon two or three aspects and conclude. As I already said, terrorism has not stopped

[Shri V. Narayanasamy]

in the border areas. It has gone to Madhya Pradesh, Andhra Pradesh, Assam and important southern States, to Tamil Nadu. The Capital City of Delhi too is not free from terrorism. We have seen the incidents of Tohana in Haryana and Pihbhit in U.P. Whenever the police force is tightened in Delhi or Punjabi terrorists sneak into Haryana and U.P. borders. We have seen this during the Operation Raksha, I and II,in Punjab when terrorists sneaked into U.P. and Haryana areas and also into part of Delhi. We have seen the mdiscrumnate killing of people in various places. Thousands of innocent people who had been going by buses were lolled. This is a sorry state of affairs. The Government could not give protec-tion. The targeted people could not be identified at a time when it happened. iflerefore, militants go around and fire upon people indiscriminately which the Government could not help.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA) : Please conclude

DR. RATNAKAR PANDEY (Uttar Fradesh) : Sir, please give him more time, He is a good speaker.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA) : You need not plead for him.

SHRI V. NARAYANASAMY : sir, there is one important aspect and that is about terrorism unleashed in Tamil Nadu. We know pretty well who were responsible for encouraging it and also giving protection and asylum to militants in Tamil Nadu. Tamil Nadu is one of the peaceful States in the country and the previous Government headed by the former Chief Minister Karunanidhi gave protection and asylum *(interruptions).*

SHRI TINDIVANAM G. VENKAT-RAMAN (Tamil Nadu) : I strongly oppose this.

SHRI MISA R. GANESAN (Tamil Nadu) : Already my leader has repudiated all the charges. *(Interruptons).* He should not mention his name. He is not a Member of the House. *(Interrup tions).*

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI (Tamil Nadu) : Even the hon. Minister was assaulted.

SHRI V. NARAYANASAMY : Sir, we are discussing terrorism here *(Interruptions).*

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA) : Do you have any Point Of order ? If there is no point of order kindly sit down. Mr. Naryana-samy, please do not invite_____*(Interrup tions).*

SHRI V. NARAYANASAMY : I have got ample evidence to prove that Karunanidhi Government has ..... *(Interruptions).*

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA) : Members, when your turns come, you have your say. Please do not interrupt in this way. *(Interruptions).* One minute. The Minister is intervening. Kindly sit down all of you.

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. CHIDAMBARAM) : Sir, it is not dragging the name of any particular leader. The reference is to a period of time. When we say *V.P. Singh Government', it refers to the period of time from November 1989 to November 1990. He is referring to a period of time. *(Interruptions).*

SHRI MISA R. GANESAN : No, he never referred to that. *(Interruptions).*

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA) : If all of you speak at the same time. .*(Interruptions).* Nothing can be heard. I cannot make out anything. *(Interruptions).* What is the need of speaking in this way?

SHRI P. CHIDAMBARAM : Sir, the DMK party is so weak. *(Interrup tions)* __

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI : Sir the Congress party has conducted.. *(Interruptions)*

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA) : Kindly go to your seats. *(Interruptions).* Listen to me. I am on my legs. *(Interruptions).*

SHRI MISA R. GANESAN : The Congress (I) party created this problem.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA) : Mr. Virumbi listen to me. Why are you becoming so agitated ? Nothing is going on record. *(Interruptions).*

Mr. Venkatraman, nothing is going on record. *(Interruptions).*

SHRIMAI JAYANTHI NATARAJAN (Tamil Nadu) : Why should he withdraw ? He is absolutely right. *(Interruptions).* Sir is Karunanidhi an unparliamentary word?

THE VICE-CHAIRMAN (DR NAGEN SAIKIA): : Kindly sit down for a moment. *(Interruptions)*

SHRI MISA R. GANESAN: If they are bold enough, let them hold an enquiry from 1983. *(Interruptions).*

THE VICE-CHAIRMAN (Dr. NAGEN SAIKIA): If you behave in this way, then I shall take this debate to be concluded here. *(Interruptions).* Please sit down. Let me handle. Kindly sit down. You know when the Chair is on his legs, nobody should stand up. I have repeatedly asked you to sit down but you have not obeyed my ruling also. If it continues in this way, then I shall have to take this debate to be concluded here. The hon. Member has made some re ferences which are not palatable for other Members. But when your turn comes, you can make your own points. You can cut his points, You have got enough time enough opportunity. *(Interruptions)* What is the need of making this type of noise in the House ? *(Interruptions')* I have rot permitted. You go back to your seats. If everybody stands up at the same time and speaks something, then it is not going. on record. It is only creating noise in. the House. *(Interruptions).* You cannot take it for granted that the points made by the Member will be palatable for you. *(.In terruptions). Kindly* sit down ..... *(In terruptions)* ... .Kindly sit down. Kindly sit down. The Minister is going to say something..... *(Interruptions)*... .Yes, I have allowed him to speak

SHRI P. CHIDAMBARAM: If as. hon Member refers to a period of time in history or recent history and makes soms comment which is unpalatable—I am sure m?ny things which are said are unpalatable to one party or the other- - they must wait for their turn to respond. Four of them cannot shout and speak together. Four of them cannot rush to the well and say ___ *(Interruptions)* .... Why have you started shouting?... *(Interruptions). ...*

SHRI V. NARAYANASAMY: Sir, they have again started shouting.

SHRI TINDIVANAM G. VENKATRAMAN: You are shout ing. We are not shouting. *(Interruptions)*

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NA GEN SAIKIA): I request the Members not *to* become so sensitive. *(Interruptions)* Kindly sit down. Mr, Narayanasamy, please conclude. You conclude with in two miputes. I have given you two minutes to conclude. You did not have time enough. I have granted time from the other parties quota. You are encroaching upon the time of other parties. So you conclude within two minutes. ..*(Interruptions).* .1 am not permitting anything else.

SHRI V. NARAYANASAMY: Sir, you have to protect me because when 1 started speaking, they started shouting. *(Interruptions).*

SHRI TINDIVANAM G. VENKATRAMAN:*

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI:*

SHRI MISA R. GANESAN:*

SHRI J.S. RAJU (Tamil Nadu):*

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA): No, no; please sit down ..*(Interruptions)*.. Any body who is speaking without my permission is not going on record . It is meaningless to stand up and shoot. . *(Interruption!),*.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Sir, I am on a point of order. *(Interruptions)*

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA): She is on a point of order.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Sir, I have a point of order. When we are talking about terrorism, here is a serious problem of terrorism with LTTE in Tamil Nadu. When he was talking about the problem of terrorism of LTTE, he talked about a period of time, ; bout the Government, about the Chief Minister . *(Interruptions)*..

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA) : That has already been. made by Mr. Chidambaram.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Sir, I have not finished it yet. I want your ruling on whether 'Karunanidhi' is an undartiamentary word... *(Interruptions)*..

SHRI V. NARAYANASAMY: Sir whenever we say anything, they start shouting . .*(Interruptions)*..

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA): That is not a point of order' *(Interruptions)*

SHRI P. CHIDAMBARAM : Kindly listen to me. ..*(Interruptions)*.. Please listen to me. Kindly listen to me. If all the four start speaking together, it is meaningless. *(Interruptions)*

*Not recorded.

SHRI J.S. RAJU :*

SHRI TINDIVANAM G. VENKATRAMAN :*

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI:*

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA) : No, no; nothing is going on record. *(Interruptions).*

SHRI P. CHIDAMBARAM : If one of you had stood up and responded, we could have understood it, we could have taken care of the remarks. If all the four start speaking at the same time it is only noise. We can't make it out . .*(Interruptions) ...*

SHRI TINDIVANAM G. VENKATRAMAN: Everyday it is happening, Sir. *(Interruptions)*

DR. RATNAKAR PANDEY: Sir, I am on a point of order. *(Interruptions)*

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA): He is on a point of order. .. *(Interruptions)* __ He is on a point of order. He is on a point of order. Kindly sit down . . .*(Interruptions)*-..

DR. RATNAKAR PANDEY : Sir, this is the trouble. They are not abiding by the order of the Chair.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA) : He is on a point of order. Kindly sit down. Mr. , Venkatra-man, please sit down. Mr. Virumbi, please sit down. He is on a point of order.

डा० रत्नाकर पाण्डेय : माननीय उपसभाध्यक्ष जी, मैं बड़ी गंभीरता के साथ, आपके माध्यम से, सदस्यों का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं....(व्यवधान)

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA): Dr. Pandey, Kiadly don't invite more trouble.

DR. RATNAKAR PANDEY: No, no; Sir, I want to sort out the trouble.

(Interruptions)

6.00 P.M.

सर, तमिलनाडु हमारे देश का बड़ा ही महत्वपूर्ण भू-भाग है और यहां की ग्रामीण कल्चर पर हम को गर्व है, लेकिन यह सदन सारे देश का है। हम लोगों के सामने समस्या यह है कि जब तमिलनाडु का नाम लिया जाता है या करुणानिधि जी का नाम लिया जाता है तो डी.एम.के. के सारे सदस्य एक साथ खड़े हो जाते हैं। मान्यवर, इस सदन पर शायद करीब एक लाख रुपया प्रति मिनिट का खर्च आता है। जब इस तरह चार-चार आदमी बोलते हैं, यह कोई अच्छी बात नहीं है। यह मैं पूरी गंभीरता के साथ कहता हूं। इसलिए मैं आपसे प्रार्थना करूंगा कि आप इस पर अपनी रूलिंग दें। मान्यवर, एक तो इनकी दिक्कत यह है कि इनके लीडर सदन में नहीं रहते हैं और जब नेता सदन में न रहे तो सदस्य अनियंत्रित और उच्छृंखल हो जाता है। इसलिए इनके लीडर के लिए यह कंपलसरी करिए कि वे यहां रहें ताकि सदन की गरिमा बनी रहे।

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA) : You need not worry about their leader. *(Interruptions)*

डा० रत्नाकर पाण्डेय : मान्यवर, यह देश केवल तमिलनाडु नहीं है। इस देश के और भी हिस्से हैं। इसलिए मेरी गुजारिश है कि इस सदन को गरिमापूर्ण ढंग से चलाया जाय।

THE VICE-CHAIRMAN (DR NAGEN SAIKIA) Mr. Virumbi, you please sit down . *(Interruptions)...*

डा. रत्नाकर पाण्डेय : अब ये चार-चार सदस्य बोल रहे हैं। हाथ उठाकर क्या कहना चाहते हैं, यह हमारी समझ में नहीं आता है। एक-एक बोलिए। तमिलनाडु हमारे देश का सबसे महत्वपूर्ण सांस्कृतिक प्रांत है। वहां की संस्कृति सबसे प्राचीन संस्कृति है, सबसे प्राचीन भाषा है...(व्यवधान)...

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN : It is already 6 o'clock

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA): I know.

डा० रामाकर पाण्डेय : लेकिन डी. एम.के. के सदस्य इस सदन में उच्छृंखलता करते हैं। इस उच्छृंखलता को बंद किया जाए और इस सदन की गरिमा को नष्ट होने से बचाया जाए। इस बारे में मैं आपसे हाथ जोड़कर रूलिंग चाहूंगा क्योंकि इस देश की गरीब जनता का करोड़ों रुपया इस सदन पर खर्च होता है। ये चार-चार सदस्य एक साथ खड़े होकर बोलते हैं और हम लोगों की समझ में कुछ नहीं आता है।

उपसभाध्यक्ष (डा० नगेन सैकिया) : बैठ जाइए। बैठ जाइए।

डा० रामाकर पाण्डेय : अपनी ऐंबीशंस को फुलफिल करने के लिए इस सदन की गरिमा को नष्ट न किया जाय। इस पर आप रूलिंग दें। यही आपसे प्रार्थना है। (*Interruptions)*

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA): Mr. Virumbi, please listen to me. Don't argue with other Members on this issue directly. If you have anything to speak, then let one Member stand up and speak to me. *(Interruptions)* it is meanigless for everybody to stand UP and shout here. It will not go on record. What is the meaning of this shouting '? *(Interruptions)*... Please sit down. *(Interruptions)*..

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI : Who is he to give advice to us ? *(Interruptions)* ...

THE VICE-CM MRMAN (DR. NAGEN SA1K1A) : Please sit down.

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI : Hon. Narayanasamy has hurt our feeling?. He has wounded us. *(Interruptions)*. ..

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA) : Now it is already 6 o'clock. It will ask Mr. Narayanasamy to conclude within two minutes.

SHRI V. NARAYANASAMY : Sir, I want live mininte-.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKTA) : No, 1 cannot permit you because we don't have time, you have already crossed six minutes. I have permitted you to speak for two minutes.

SHRI V. NARAYANASAMY : I will continue tomorrow.

THE VICE-CHAIRMAN ' (DR. NAGEN SAIKIA) : We don't have time at all.

SHRI V. NARAYANASAMY : When 1 started on Tamil Nadu. .*(Interruptions)*..

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA) : Shri Narayanasamy's speech is to be conluded here. Shri Naayanasamy's speech is concluded.

SHRI V. NARAYANASAMY : How can *it be like* that, Sir ? I am sorry.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA) : If you don't abide by the ruling of the Chair, what is the meaning of it ?

SHRI V. NARAYANASAMY : Sir, you gave me two minutes.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA) : If you speak for two minutes and conclude. We don't have time. *(Interruptions)*.. Don't enter into personal arguments. *(Interruptions)* Please don't refer to those things. Let him carry on and conclude.

SHRI V. NARAYANASAMY When the DMK was ruling the State, the Chief Minister of the State, Mr Karunanidhi..... *(Interruptions).*

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI : Sir, I am on a point of ordrer. *(Interruplions). . .*

THE VICE-CHAIRMAN (DR NAGEN SAIKIA) : He is on a point of order. *(Interruptions)...*

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN : There is nothing unparliamentary. *{Interruptions)*

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA) : Why is there so much of sentiments ?

SHRI MISA R. GANESAN : Terrorism in Tamil Nadu was unleashed only because of Shri Rajiv Gandhi.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA) : if you interrupt like this, nothing will go on record. *{Interruptions)...*

You ate Members of the Elders' House. You should abide by the rule. *(Interruptions)* Kindly sit down. *(Interruptions).* I don't find anything wrong in making any reference to some Chief Minister at one time. *(Interruptions).* Mr. Virumbi, kindly sit down. You can have your say when your turn comes. *(Interruptions)* Nothing is going on record.

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI :*

SHRI TJNIDIVANAM G. VENKAT RAMAN : *

SHRI MISA R. GANESAN : *

SHRI J. S. RAJU :*

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA) : you cannot interrupt the House in this way. *(Interruptions).* Why are you interrupting in this way *(Interruptions).* You- correct him when your turn comes. *(Interruptions).*

SHRI V. NARAYANASAMY : Sir, he said that in the past there was no LTTE militant in Tamil Nadu. On the very next day—-I am speaking about terrorism and militancy—in Kodambakkam area 16 persons including the EPRLF leader Mr. Padamanabha were killed ... *(Interruptions).*

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA) : Please sit down. Nothing is going on record. If you will go on like this nothing will gone on record. *(Interruptions).* It is very unfortunate that all of you are standing. *(Interruptions).* I am not permitting, I have permitted Mr. Narayanasamy. *(Interruptions).*

SHRI V. NARAYANASAMY: Sir, during that period the LTTE militants had a free run in Tamil Nadu. *(Interruptions).*

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA): I am not permitting. He is referring to LTTE militants. What relationship do you have with that ? Why are you interrupting in this way? Let him speak. *(Interruptions).* It is not nice to interrupt the House in this way. *(Interruptions)* .

SHRI V. NARAYANASAMY: Sir, there was smuggling of sophisticated weapons, arms, ammunition and other items. Sir, during the DMK regime people did not sleep for nights. People were frightened. The LTTE militants living in various places killed people indiscriminately. Apart from that the essential items like kerosene, rice, petrol, etc. were smuggled under the patronage of the then DMK regime. Sir, I am pained to say that we have lost out beloved leader Shri Rajiv Gandhi because the DMK Government did not curb terrorism in Tamil Nadu during that time. *(Interruptions).*

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA): The House stands adjorned till 11 a.m. tomorrow.

The House then adjourned at eleven minutes past six of the clock till eleven of the clock on Tuesday, the 17th December, 1991.